

सेव एनर्जी

रिन्यूएबल एनर्जी का सबसे ज्यादा उपयोग एजुकेशन इंस्टिट्यूट में हो रहा, छुट्टी के समय तैयार होने वाली बिजली संस्थान को मुनाफा भी दिलाएगी

7 स्कूल-कॉलेजों में लगे सोलर प्लांट, हर माह बनेगी 18 हजार यूनिट बिजली, 2 लाख बचेंगे



सिटी रिपोर्टर | इंदौर

शहर के 7 गवर्नमेंट स्कूल और कॉलेज पूरी तरह सोलर से लैस हो गए हैं। इनमें देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के होस्टल, मोती तबेला और किला मैदान स्थित गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मालवा कन्या परिसर और महू के दो स्कूलों में सोलर से तैयार बिजली का उपयोग किया जाएगा। इनके साथ ही 66 लाख रुपए की लागत से भारतीय विद्या भवन ने प्लांट लगाए हैं। यूनिवर्सिटी के होस्टलों में 28 किलोवॉट के प्लांट से हर दिन 100 से 120 यूनिट बिजली तैयार होगी। यहां बिजली की रोजाना खपत भी इतनी ही है। शहर के दोनों जीडीसी में भी 28-28 किलोवाट के प्लांट लगाए गए हैं, जहां हर दिन 200 से 250 यूनिट

बिजली तैयार होगी। मल्हार आश्रम स्कूल, जहां सुपर-100 के स्टूडेंट्स जेईई की तैयारी भी करते हैं, में भी सोलर का उपयोग किया जाएगा।

पैसा भी कमा सकेंगे संस्थान

भारतीय विद्या भवन, फिन होम्स, सुफलाम सेवा न्यास शहर के गवर्नमेंट संस्थानों में सोलर प्लांट लगाने का काम पिछले एक साल से कर रही थी। अब एक के बाद एक शुरुआत की जा रही है। विद्या भवन के अध्यक्ष राजीव जैन ने बताया कि गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट के बिजली बिलों को जीरो करने के मकसद से इन्हें लगाया गया है। छुट्टियों में जब इन संस्थानों में बिजली की खपत न के बराबर रहेगी उस समय यहां तैयार होने वाली बिजली का पैसा इन संस्थानों को मिलेगा।

IIT, SGSITS और IIM भी कर रहे लाखों की बचत

- आईआईएम इंदौर में 2020 में सोलर प्लांट लगाया गया था। इससे हर महीने 3.93 लाख रु. की बचत बिजली बिल में हो रही है। 4 साल में करीब 1.61 करोड़ रुपए की बचत हुई। कुल 514 टन सीओ₂ का उत्सर्जन रुका जो कि 23376 पेड़ लगाने के बराबर है।
- आईआईटी इंदौर ने अपने 500 एकड़ परिसर की हर बिल्डिंग में सोलर लगा दिए हैं। संस्थान में 422 किलो वाट का सोलर प्लांट भी है। इससे हर साल 500 टन कार्बन कम करने में मदद मिल रही है।
- एसजीएसआईटीएस के होस्टल और कक्षाओं में भी सोलर पैनल लगाए गए हैं। इससे हर महीने करीब दो लाख रुपए की बचत हो रही है।
- खजराना मंदिर में भी 14 हजार यूनिट हर महीने तैयार की जा रही है। इससे करीब 90 हजार रुपए की बिजली बच रही। आईआईटी इंदौर में 422 किलो वाट का सोलर प्लांट लगाया गया है। इससे हर वर्ष इससे हर वर्ष 500 टन कार्बन को कम करने में मदद मिल रही है।